करेंट अफेयर्स हरियाणा

मार्च 2022

(संग्रह)

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
फोन: 8750187501
ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

हरियाणा **3**

- हरियाणा की 'रेशमा' बनी भारत में सबसे ज़्यादा दूध देने वाली भैंस 3
- ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त रबी 2021-22 की फसल के लिये विशेष गिरदावरी 3
- हरियाणा गैर-कानूनी धर्मांतरण निवारण विधेयक, 2022 4
- चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने वालों के लिये पोर्टल लॉन्च 4
- स्वामी ओमानंद सरस्वती संग्रहालय 5
- लिंगानुपात में सुधार लाने के लिये बेहतर प्रदर्शन करने वाले ज़िले पुरस्कृत 5
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये बनाया जाएगा प्राकृतिक कृषि बोर्ड 6
- हरियाणा की पूजा शर्मा 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित 6
- मुख्यमंत्री ने किया गाँव दमदमा में एडवेंचर पर्यटन केंद्र का शिलान्यास 7
- हरियाणा के मुख्यमंत्री कोविड-19 कमिटमेंट अवार्ड से सम्मानित 7
- बुढ़ापा पेंशन की नई आय सीमा होगी तय 8
- हरियाणा को मिला 'खेलों को बढ़ावा देने के लिये श्रेष्ठ राज्य पुरस्कार' 8
- 35वाँ सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला 9
- हरियाणा गैर-कानूनी धर्मांतरण रोकथाम विधेयक, 2022 पारित 9
- पूर्व मुख्य सचिव विजय वर्धन बने हरियाणा के मुख्य सूचना आयुक्त 10
- गुरुग्राम के नेहरू स्टेडियम में हॉकी का नया एस्ट्रोटर्फ 10
- उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले पटवारी होंगे सम्मानित 11
- 23वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर फेंसिंग प्रतियोगिता : बालक वर्ग ओवरआल का खिताब हरियाणा को 11
- हरियाणा में नियम-134ए खत्म : अब आरटीई के तहत पढ़ेंगे गरीब बच्चे 12

नोट :

दृष्टि The Vision

हरियाणा

हरियाणा की 'रेशमा' बनी भारत में सबसे ज़्यादा दूध देने वाली भैंस

चर्चा में क्यों ?

- 28 फरवरी, 2022 को नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) द्वारा हरियाणा के कैथल के बूढ़ा खेड़ा गाँव की मुर्राह नस्ल की 'रेशमा भैंस' को 33.8 लीटर दूध देने के लिये सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इसके साथ ही रेशमा पूरे भारत में सबसे ज़्यादा दूध देने वाली भैंस बन गई है।

प्रमुख बिंदु

- रेशमा ने पहली बार जब बच्चे को जन्म दिया तो 19-20 लीटर दूध दिया था। दूसरी बार उसने 30 लीटर दूध दिया। जब तीसरी बार रेशमा माँ बनी तो 33.8 लीटर दूध के साथ एक नया कीर्तिमान स्थापित किया।
- कई डॉक्टरों की टीम ने रेशमा का 7 बार दूध निकालकर देखा, जिसके बाद वह भारत में सबसे ज़्यादा दूध देने वाली भैंस बन गई। नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड (NDDB) की सर्टिफिकेट साथ रेशमा उन्नत किस्म की पहले नंबर की श्रेणी में आ गई है। इसकी दूध की फैट की गुणवत्ता 10 में से 9.31 है।
- रेशमा ने डेयरी फार्मिंग एसोसिएशन की तरफ से लगाए गए पशु मेले में भी 31.213 लीटर दूध के साथ प्रथम पुरस्कार जीता है। इसके अलावा और भी कई इनाम रेशमा ने जीते हैं।
- उल्लेखनीय है कि हरियाणा सहित पूरे देश में प्रसिद्ध रहे मुर्राह नस्ल के भैंसा 'सुल्तान' के मालिक नरेश व राजेश बेनीवाल ही रेशमा के भी मालिक हैं। सुल्तान वर्ष 2013 में हुई राष्ट्रीय पशु सौंदर्य प्रतियोगिता में झज्जर, करनाल और हिसार में राष्ट्रीय विजेता रह चुका था।
- सुल्तान सालभर में 30 हज़ार सीमेन की डोज देता था, जो लाखों रुपए में बिकती थी। सुल्तान की सिंतबर 2021 में मौत हो गई थी।

ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त रबी 2021-22 की फसल के लिये विशेष गिरदावरी

चर्चा में क्यों ?

- 3 मार्च, 2022 को हरियाणा विधानसभा के चालू बजट सत्र के दूसरे दिन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खटेर ने सदन में बताया कि राज्य के कुछ ज़िलों में हाल ही में हुई ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त रबी 2021-22 की फसल के लिये विशेष गिरदावरी का काम 1 मार्च, 2022 से शुरू हो चुका है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने सदन में बताया कि राज्य में रबी फसलों की सामान्य गिरदावरी का कार्य 28 फरवरी तक किया जाता है, जबकि हाल ही में 25-26 फरवरी को हुई ओलावृष्टि से क्षतिग्रस्त रबी फसलों के लिये विशेष गिरदावरी का कार्य 1 मार्च से शुरू किया गया है।
- विशेष गिरदावरी के पूरा होते ही मुआवज़ा सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि धान, कपास, बाजरा जैसी खरीफ फसलों (2020-21) के लिये मुआवज़ा राशि का वितरण किया जा रहा है।
- उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा कि अगर किसानों की कृषि भूमि में जलभराव के कारण फसल की बिजाई नहीं हो पाती है तो भी पीड़ित किसानों को मुआवज़ा दिया जाएगा।
- उल्लेखनीय है कि भारी वर्षा, जलभराव तथा कीट के हमलों से खरीफ 2021 की फसल (कपास, मूंग, धान, बाजरा और गन्ना) में नुकसान हुआ था, जिसके लिये हरियाणा सरकार द्वारा विशेष गिरदावरी करवाई गई।

- गिरदावरी में करनाल, पलवल, नूंह, गुरुग्राम, हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, चरखी दादरी, भिवानी, रोहतक, सोनीपत, झज्जर समेत कुल 12 ज़िलों के डीसी की रिपोर्ट के अनुसार 9,14,139 किसानों को प्रभावित पाया गया। 24,320 किसानों के मुआवज़े को उनके बैंक खाते में सीधा स्थानांतरित किया जा चुका है। शेष किसानों के मुआवज़े को 15 मार्च, 2022 तक करने के निर्देश दिये गए हैं।

हरियाणा गैर-कानूनी धर्मांतरण निवारण विधेयक, 2022

चर्चा में क्यों?

- 4 मार्च, 2022 को हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने विधानसभा के बजट सत्र में 'हरियाणा गैर-कानूनी धर्मांतरण निवारण विधेयक, 2022' पेश किया।

प्रमुख बिंदु

- इस विधेयक के पारित हो जाने के बाद हरियाणा जबरन धर्मांतरण के खिलाफ कानून बनाने वाला देश का सातवाँ राज्य बन जाएगा।
- इस विधेयक में जबरन धर्मांतरण करने वालों के खिलाफ सज़ा की तीन श्रेणी बनाई गई हैं।
- विवाह के लिये झूठ बोलकर, अनुचित प्रभाव डालकर, प्रलोभन देकर या डिजिटल संसाधनों का प्रयोग कर धर्मांतरण कराने वाले को कम-से-कम एक साल और अधिकतम पाँच साल की सज़ा तथा एक लाख रुपए जुर्माने की सज़ा का प्रावधान है।
- विवाह के आशय से जो अपना धर्म छिपाएगा, उसके धर्मांतरण करने पर कम-से-कम तीन साल और अधिकतम दस साल की सज़ा व तीन लाख रुपए जुर्माने का प्रावधान किया गया है।
- इसी प्रकार व्यक्तिगत या संगठनों द्वारा सामूहिक धर्मांतरण कराने वालों के कारावास की अवधि कम-से-कम पाँच वर्ष और अधिकतम दस वर्ष सहित चार लाख रुपए जुर्माने का प्रावधान किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि हरियाणा से पहले उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, उत्तर प्रदेश तथा कर्नाटक में यह कानून बन चुका है।

चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने वालों के लिये पोर्टल लॉन्च

चर्चा में क्यों?

- 5 मार्च, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्राप्त करने वालों की सुविधा के लिये 'सरल पोर्टल' लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

- अब आर्थिक सहायता के लिये आवेदक सरल पोर्टल के माध्यम से इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। आवेदक अपनी पीपीपी आईडी के माध्यम से सरल पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।
- मुख्यमंत्री राहत कोष से मिलने वाली आर्थिक सहायता की राशि सीधे आवेदक या लाभार्थी के बैंक खाते में ट्रांसफर की जाएगी, साथ ही 22 और गंभीर बीमारियों को मुख्यमंत्री राहत कोष में शामिल करने का निर्णय लिया गया है।
- आवेदक अपने चिकित्सा बिल, ओपीडी बिल आदि जैसे अन्य संबंधित दस्तावेजों को अपलोड कर मुख्यमंत्री राहत कोष से चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता के लिये आवेदन कर सकते हैं।
- मुख्यमंत्री के ओएसडी सुधांशु गौतम ने पोर्टल की जानकारी देते हुए बताया कि ज्यों ही आवेदक आर्थिक सहायता के लिये पोर्टल पर अपना आवेदन डालेगा त्यों ही आवेदन को संबंधित क्षेत्र के सांसद, विधायक, अध्यक्ष ज़िला परिषद, अध्यक्ष ब्लॉक समिति, मेयर/एमसी के अध्यक्ष के पास के लॉगिन किया जाएगा और ये जनप्रतिनिधि पाँच दिन के भीतर अपनी सिफारिश के साथ उपायुक्त को भेजेंगे।
- उपायुक्त संबंधित तहसीलदार को भूमि विवरण और सिविल सर्जन को चिकित्सा दस्तावेजों के सत्यापन के लिये भेजेगा।
- हर पखवाड़े में ज़िला स्तरीय समिति की बैठक होगी जिसमें चिकित्सा आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान करने के मामलों की समीक्षा कर रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय को भेजेगी।

स्वामी ओमानंद सरस्वती संग्रहालय

चर्चा में क्यों ?

- 6 मार्च, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने झज्जर ज़िले में ऐतिहासिक तथ्यों के संग्रहण केंद्र स्वामी ओमानंद सरस्वती संग्रहालय के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया तथा ज़िले के विकास को समर्पित करीब 78.47 करोड़ रुपए की विकासात्मक योजनाओं की सौगात दी।

प्रमुख बिंदु

- स्वामी ओमानंद सरस्वती के गौरवमयी जीवन को समर्पित इस पुरातत्त्व संग्रहालय का निर्माण झज्जर के सेक्टर 6 परिसर में करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा।
- इस पुरातत्त्व संग्रहालय के निर्माण से जहाँ ऐतिहासिक वस्तुओं का संग्रहण होगा वहीं पुरातत्त्व से संबंधित रिसर्च वर्क में संग्रहालय शोधार्थियों के लिये भी मददगार बनेगा।
- मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही 34.25 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास किया तथा 44.22 करोड़ रुपए की विकास योजनाओं का उद्घाटन किया।
- उन्होंने बहादुरगढ़ शहर में नवनिर्मित 18 बेज के नए बस स्टैंड सहित सेक्टर 13 बहादुरगढ़ में नवनिर्मित राजस्व कॉलोनी, गाँव कसार में नवनिर्मित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय भवन व जाखौदा गाँव में निर्मित राजकीय उच्च विद्यालय के नए भवन का उद्घाटन कर ज़िलावासियों को समर्पित किया।
- मुख्यमंत्री ने 3.20 करोड़ रुपए की लागत से हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा निर्मित स्वामी ओमानंद सरस्वती स्मृति वन, करीब 23.61 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से बनने वाले उपमंडल (ना.) परिसर बादली व करीब 7.43 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली उपमंडल आवासीय कॉलोनी बादली का शिलान्यास किया।

लिंगानुपात में सुधार लाने के लिये बेहतर प्रदर्शन करने वाले ज़िले पुरस्कृत

चर्चा में क्यों ?

- 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम में हरियाणा की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने लिंगानुपात में सुधार लाने के लिये किये गए बेहतर प्रदर्शन के लिये रोहतक, चरखी दादरी तथा जींद ज़िले को सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- मंत्री कमलेश ढांडा ने ज़िला रोहतक को प्रथम, चरखी दादरी को द्वितीय तथा जींद को तृतीय पुरस्कार के लिये क्रमशः 5 लाख रुपए, 3 लाख रुपए व 2 लाख रुपए की राशि तथा प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।
- इसके अलावा उन्होंने पोषण पुरस्कार, 2021-22 के विजेताओं को भी सम्मानित किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ज़िला मेवात को 2 लाख रुपए, द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर फरीदाबाद को 1 लाख रुपए तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने पर ज़िला पलवल को 50 हज़ार रुपए की राशि तथा प्रशस्ति-पत्र देकर से सम्मानित किया।
- यमुनानगर की सुमन को 1 लाख रुपए की राशि का 'बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार' देकर सम्मानित किया गया।
- इसके अलावा खेल, सामाजिक क्षेत्र, आंगनवाड़ी केंद्र में कार्यरत वर्कर, महिला उद्यमी श्रेणी तथा सरकारी कर्मचारी श्रेणी में 46 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।
- इससे पूर्व कमलेश ढांडा ने महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पोषण पर आधारित पोस्टर लाँच किया।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये बनाया जाएगा प्राकृतिक कृषि बोर्ड

चर्चा में क्यों ?

- 8 मार्च, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कुरुक्षेत्र में कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को इस खेती के लिये सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से प्राकृतिक कृषि बोर्ड का गठन करने का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की जनता को ज़हरयुक्त उत्पादों से निजात दिलाने व भूमि की सेहत को बचाने के लिये प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जाएगा।
- प्रदेश सरकार द्वारा प्राकृतिक कृषि बोर्ड के गठन हेतु 32 करोड़ रुपए का प्रावधान बजट में किया गया है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती के लिये 3 साल उत्पादन आधारित योजना को भी मूर्त रूप देने का काम किया गया है। इस योजना के तहत 100 क्लस्टर बनाए जाएंगे और प्रत्येक क्लस्टर में 25 एकड़ भूमि को भी प्राकृतिक खेती के साथ जोड़ा जाएगा।
- इसके बाद सर्टीफिकेशन, ब्रांडिंग और फिर पैकेजिंग का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही अगर प्राकृतिक खेती के कारण किसानों को नुकसान हुआ तो सरकार द्वारा मुआवज़े की राशि प्रदान की जाएगी।

हरियाणा की पूजा शर्मा 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 8 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने महिला सशक्तीकरण की दिशा में असाधारण कार्य करने वाली हरियाणा की पूजा शर्मा को 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक विशेष समारोह में राष्ट्रपति ने देश भर की 29 महिलाओं को 'नारी शक्ति पुरस्कार' से सम्मानित किया। वर्ष 2020 और 2021 के लिये 14-14 पुरस्कार दिये गए तथा एक पुरस्कार संयुक्त रूप से दो महिलाओं को प्रदान किया गया।
- ये पुरस्कार उद्यमशीलता, कृषि, नवाचार, सामाजिक कार्य, कला, दस्तकारी, वन्यजीव संरक्षण, भाषा विज्ञान, मर्चेंट नेवी, शिक्षा, साहित्य, स्टेम (विज्ञान, तकनीक, इंजीनियरिंग, गणित) और दिव्यांगजन अधिकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को दिये गए।
- हरियाणा के गुरुग्राम की किसान और उद्यमी पूजा शर्मा को कौशल विकास एवं महिला सशक्तीकरण और उद्यमशीलता के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये वर्ष 2021 के नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- पूजा शर्मा ने 2013 में गुड़गाँव (गुरुग्राम) स्थित स्वयं सहायता समूह 'क्षितिज' और 2017 में दिल्ली स्थित 'जिंगएनजेस्ट' कंपनी बनाई।
- उन्होंने संसाधित सोया, सोया स्वास्थ्य पेय, बिस्कुट और अन्य सोयानट आइटम बनाने बनाने के लिये IARI मानकीकृत तकनीक का इस्तेमाल किया।
- उन्होंने 9 स्व-सहायता समूह (SHG) की स्थापना की और हरियाणा में 1,000 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षित किया। उनकी खाद्य निर्माण इकाइयाँ लगभग 150 महिलाओं को रोज़गार देती हैं।
- 2016 में, ICAR ने उन्हें 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय कृषि पुरस्कार' और 'नवोन्मेषी कृषि सम्मान' से सम्मानित किया था।
- उल्लेखनीय है कि कमज़ोर और हाशिये पर रहने वाली महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में असाधारण और उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को हर वर्ष नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। कोरोना महामारी के कारण 2020 का नारी शक्ति पुरस्कार समारोह आयोजित नहीं हो पाया था।

नोट :

मुख्यमंत्री ने किया गाँव दमदमा में एडवेंचर पर्यटन केंद्र का शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

- 12 मार्च, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में गुरुग्राम ज़िला के गाँव दमदमा में एडवेंचर पर्यटन केंद्र का शिलान्यास किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही उन्होंने हरियाणा पर्यटन और एयरो क्लब ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित दोदिवसीय हरियाणा एयरो स्पोर्ट्स कार्निवल का झंडी दिखाकर शुभारंभ किया।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर दमदमा के सेंटर फॉर एडवेंचर टूरिज्म का ब्रोशर भी रिलीज़ किया। उन्होंने फरीदाबाद के राजकीय महाविद्यालय में इतिहास की प्राध्यापक डॉ. सुप्रिया ढांडा को महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से दिये गए आउटस्टैंडिग वीमेन अचीवर्स अवार्ड से सम्मानित किया।
- दमदमा का यह एडवेंचर पर्यटन केंद्र लगभग 19 एकड़ भूमि पर विकसित होगा, जिसके लिये हरियाणा पर्यटन विभाग ने एयरो क्लब ऑफ इंडिया के साथ समन्वय स्थापित किया है।
- अरावली की गोद में बसे गाँव दमदमा में शुरू किये जाने वाले इस एडवेंचर पर्यटन केंद्र में विभिन्न साहसिक गतिविधियों के लिये एक बुनियादी ढाँचा तैयार किया जाएगा, जिसमें कैंपिंग साइट, पैरामोटर के लिये एयर स्ट्रिप, एयरो स्पोर्ट्स गतिविधियाँ, कैफेटेरिया और अन्य गतिविधियाँ शामिल की जाएंगी।
- प्रदेश सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। हाल ही में मोरनी के टिक्करताल में भी एडवेंचर खेलों की शुरुआत की गई थी।
- हरियाणा सरकार द्वारा बच्चों को प्रारंभ से ही खेलों के प्रति प्रेरित करने के लिये प्रदेश में 1000 नर्सरी खोलने की योजना है। ये नर्सरी सरकारी व निजी विद्यालयों के अलावा खेल विभाग में स्थापित की जाएंगी, ताकि बच्चे शारीरिक व मानसिक रूप से मज़बूत होने के साथ-साथ चरित्रवान बनें।

हरियाणा के मुख्यमंत्री कोविड-19 कमिटमेंट अवार्ड से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 16 मार्च, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को एशिया वन मैग्ज़ीन ने कोविड-19 कमिटमेंट अवार्ड से सम्मानित किया। एशिया वन मैग्ज़ीन की टीम द्वारा चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री आवास पर पहुँचकर यह अवॉर्ड दिया गया।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को यह सम्मान कोरोना महामारी के चुनौतीपूर्ण माहौल के बावजूद प्रदेश की अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार और समाज के सामूहिक कल्याण में योगदान के लिये दिया गया।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हरियाणा के उन सभी कोरोना वॉरियर्स का सम्मान है, जिन्होंने अपनी ज़िंदगी की परवाह न करते हुए दिन-रात मरीज़ों की सेवा की और लोगों को महामारी के प्रति जागरूक किया।
- लॉकडाउन के बावजूद लोगों ने घर-घर जाकर दैनिक आवश्यकताओं की चीज़ों और दवाइयाँ पहुँचाने का काम किया। लोगों ने घर से दूर फँसे जरूरतमंदों के लिये आवास और भोजन की व्यवस्था की।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना वॉरियर्स की बदौलत प्रदेश कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण पाने में सफल रहा।

नोट :

बुढ़ापा पेंशन की नई आय सीमा होगी तय

चर्चा में क्यों ?

- 17 मार्च, 2022 को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चंडीगढ़ में पत्रकारवार्ता में बताया कि राज्य में बुढ़ापा पेंशन को लेकर नई आय सीमा तय की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी योजनाओं में गड़बड़ी रोकने और अपात्रों को बाहर करने के लिये हरियाणा सरकार ने यह फैसला लिया है।
- हाल ही में पीपीपी (परिवार पहचान पत्र) की जाँच में प्रदेश में 18 हज़ार विधवा महिलाएँ ऐसी मिली हैं, जो दोबारा शादी कर चुकी हैं, लेकिन विधवा पेंशन भी ले रही हैं।
- बुढ़ापा पेंशन का लाभ प्राप्त करने के लिये वर्ष 2011 में आय सीमा 50 हज़ार रुपए थी। वर्ष 2012 में यह आय सीमा बढ़ाकर 2 लाख रुपए कर दी गई। इसके बाद से बुढ़ापा पेंशन की आय सीमा में बदलाव नहीं किया गया है।
- पेंशन में पारदर्शिता लाने के लिये राज्य सरकार ने परिवार पहचान पत्र के माध्यम से 57 से 60 वर्ष आयु के व्यक्तियों का डाटा सत्यापन हेतु फील्ड में भेजा है। सत्यापन के बाद 60 वर्ष आयु होने पर इनकी पेंशन अपने आप शुरू हो जाएगी।
- जन्म और मृत्यु पंजीकरण प्रक्रिया को डिजिटल किया गया है और इसे परिवार पहचान पत्र से जोड़ा गया है, ताकि परिवार के सदस्यों की जानकारी स्वत: ही अपडेट होती रहे।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि पाँचवें चरण में लगभग 30.06 लाख परिवारों का डाटा सत्यापन के लिये भेजा गया है। अभी तक 1.80 लाख रुपए आय से कम सत्यापित परिवारों की संख्या 13 लाख 53 हज़ार है। अनुमान है कि ऐसे परिवारों की संख्या 20 लाख के आसपास होगी। सत्यापित परिवारों में से अनुसूचित जाति के परिवारों की संख्या 31 प्रतिशत और पिछड़े वर्ग से संबंधित परिवारों की संख्या 37 प्रतिशत है।

हरियाणा को मिला 'खेलों को बढ़ावा देने के लिये श्रेष्ठ राज्य पुरस्कार'

चर्चा में क्यों ?

- 19 मार्च, 2022 को हरियाणा को 'खेलों को बढ़ावा देने के लिये श्रेष्ठ राज्य पुरस्कार' प्रदान किया गया। लगातार तीन वर्ष के विजेता ओडिशा और अन्य राज्यों को पछाड़कर हरियाणा ने यह पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रमुख बिंदु

- एसीईएस स्पोर्ट्स स्टार अवाड्र्स हिंदु ग्रुप द्वारा आयोजित वार्षिक स्पोर्ट्स अवाड्र्स समारोह में हरियाणा के खेल मंत्री सरदार संदीप सिंह ने राज्य की ओर से 'खेलों को बढ़ावा देने के लिये श्रेष्ठ राज्य पुरस्कार' प्राप्त किया।
- इसके अतिरिक्त, हरियाणा के खिलाड़ियों ने राज्य के लिये आठ अन्य श्रेणियों में भी पुरस्कार प्राप्त कर राज्य का नाम रोशन किया।
- एसीईएस स्पोर्ट्स स्टार अवाड्र्स समारोह में हरियाणा के नीरज चोपड़ा को 'स्पोर्ट स्टार ऑफ दी ईयर' एवं 'बेस्ट प्लेयर इन ट्रैक एंड फील्ड' का पुरस्कार दिया गया।
- इसी प्रकार, सुमित अंतिल को 'बेस्ट पैरा मेल स्पोर्ट्सपर्सन'; रवि दहिया को 'व्यक्तिगत खेल में श्रेष्ठ खिलाड़ी'; सविता पुनिया को 'टीम में श्रेष्ठ खिलाड़ी'; भारतीय हॉकी टीम (पुरुष) को 'ओलंपिक (टीम) में बेस्ट मूवमेंट' तथा 'नेशनल टीम ऑफ दी ईयर' और भारतीय हॉकी टीम (महिला) को 'श्रेष्ठ टीम पुरस्कार' से नवाजा गया। उल्लेखनीय है कि भारतीय हॉकी टीम (महिला) में नौ खिलाड़ी हरियाणा से थीं।
- इस वर्ष पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर की अध्यक्षता वाली जूरी ने ज़मीनी स्तर के खेल और ओलंपिक आंदोलन को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका के लिये हरियाणा को इस पुरस्कार के विजेता के रूप में चुना है।
- गौरतलब है कि हरियाणा सरकार वर्षों से खेलों को बढ़ावा देने के लिये लगातार प्रयासरत् है। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में हरियाणा के खिलाड़ियों द्वारा दिखाए गए जौहर और बड़ी संख्या में प्राप्त किये गए पुरस्कारों ने राज्य में लागू खेल नीति की सार्थकता सिद्ध की है।

35वाँ सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला

चर्चा में क्यों?

- 19 मार्च, 2022 को हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने दो साल के लंबे अंतराल के बाद विश्वप्रसिद्ध सूरजकुंड शिल्प मेले का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- 19 मार्च से 4 अप्रैल, 2022 तक आयोजित होने वाले सूरजकुंड मेले का यह 35वाँ संस्करण है। वैश्विक कोविड-19 महामारी के कारण 2 साल से इस मेले का आयोजन नहीं किया गया था।
- वर्ष 1987 से सूरजकुंड शिल्प मेला लगातार भारत की हस्तशिल्प, हथकरघा और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि एवं विविधता को प्रदर्शित करता रहा है।
- केंद्रीय पर्यटन, कपड़ा, संस्कृति, विदेश मंत्रालय और हरियाणा सरकार के सहयोग से सूरजकुंड मेला प्राधिकरण तथा हरियाणा पर्यटन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस हस्तशिल्प उत्सव ने अपने शिल्प, संस्कृति और भारत के व्यंजनों के प्रदर्शन के लिये अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन कैलेंडर पर प्रमुखता से अपनी पहचान कायम की है।
- जम्मू-कश्मीर 35वें सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय शिल्प मेला 2022 का 'थीम स्टेट' है, इसलिये वैष्णो देवी मंदिर, अमरनाथ गुफा, कश्मीर से वास्तुकला का प्रतिनिधित्व करने वाले अपना घर, हाउस बोट का लाइव प्रदर्शन और स्मारक द्वार 'मुबारक मंडी-जम्मू' की प्रतिकृतियाँ मुख्य आकर्षण हैं।
- साथ ही, जम्मू-कश्मीर के सैकड़ों कलाकार विभिन्न लोक कलाओं और नृत्यों का प्रदर्शन करेंगे। पारंपरिक नृत्य कला रूपों से लेकर उत्कृष्ट शिल्प तक, जम्मू-कश्मीर की विरासत और संस्कृति का एक गुलदस्ता विभिन्न कला रूपों एवं हस्तशिल्प के माध्यम से अनूठी संस्कृति तथा समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने वाले इस मेले का मुख्य आकर्षण रहेगा।
- इस मेले के माध्यम से देश के हज़ारों शिल्पकारों को अपनी कला और उत्पादों को व्यापक रूप से प्रदर्शित करने के लिये एक सुनहरा मंच मिलता है। साथ ही यह मेला भारत के विरासत शिल्प को पुनर्जीवित करने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- इस मेले में पारंपरिक और सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा कच्ची घोड़ी, स्टिक वॉकर, कालबेलिया, राजस्थान के बेहरुपिया, हिमाचल के कांगड़ी नाटी, असम के बिहू, पंजाब के भांगड़ा, जिंदुआ, झूमेर, उत्तराखंड के चौपल, उत्तर प्रदेश के बरसाना की होली, मेघालय के वांगिया, संभलपुरी ओडिशा, मध्य प्रदेश के बधाई, महाराष्ट्र के लावणी का प्रदर्शन किया जाएगा।
- सूरजकुंड शिल्प मेले को वर्ष 2013 में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपग्रेड किया गया था। वर्ष 2020 में इस मेले में यूरोप, अफ्रीका और एशिया के 30 से अधिक देशों ने भाग लिया था, जबकि इस वर्ष भी 30 से अधिक देश इस मेले का हिस्सा बनेंगे।
- इनमें साझेदार देश उज्बेकिस्तान सहित लैटिन अमेरिकी देशों, अफगानिस्तान, इथियोपिया, मोजांबिक, तंजानिया, जिम्बाब्वे, युगांडा, नामीबिया, सूडान, नाइजीरिया, इक्वेटोरियल गिनी, सेनेगल, अंगोला, घाना, थाईलैंड, नेपाल, श्रीलंका, ईरान, मालदीव और अन्य देशों की भी भागीदारी होगी।

हरियाणा गैर-कानूनी धर्मांतरण रोकथाम विधेयक, 2022 पारित

चर्चा में क्यों?

- 22 मार्च, 2022 को हरियाणा विधानसभा ने बल, अनुचित प्रभाव अथवा लालच के ज़रिये धर्मांतरण कराने के खिलाफ हरियाणा गैर-कानूनी धर्मांतरण रोकथाम विधेयक, 2022 (Haryana Prevention of Unlawful Conversions Bill, 2022) पारित किया।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही हरियाणा धर्मांतरण विधेयक पारित करने वाला देश का चौथा राज्य बन गया है। इसी तरह के विधेयक हाल में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में पारित किये गए थे।

- उल्लेखनीय है कि 4 मार्च, 2022 को हरियाणा विधानसभा में हरियाणा गैर-कानूनी धर्मांतरण रोकथाम विधेयक, 2022 पेश किया गया था।
- हरियाणा गैर-कानूनी धर्मांतरण रोकथाम विधेयक, 2022 के तहत किया गया प्रत्येक अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होगा।
- इस विधेयक के अनुसार, डिजिटल माध्यम का उपयोग समेत अगर लालच, बल या धोखाधड़ी के ज़रिये धर्म-परिवर्तन कराया जाता है तो एक से पाँच साल की सज़ा और कम-से-कम एक लाख रुपए के जुर्माना का प्रावधान है।
- जो भी नाबालिग या महिला अथवा अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति का धर्म-परिवर्तन कराता है या इसका प्रयास करता है तो उसे कम-से-कम चार साल जेल की सज़ा मिलेगी, जिसे बढ़ाकर 10 साल और कम-से-कम तीन लाख रुपए का जुर्माना किया जा सकता है।
- शादी के इरादे से अपना धर्म छुपाने पर कम-से-कम तीन साल की सज़ा का प्रावधान है, जिसे बढ़ाकर 10 साल तक किया जा सकता है। इसी तरह शादी करने का दोषी पाए जाने वाले को कम-से-कम तीन लाख रुपए का जुर्माना भुगतना होगा।
- विधेयक के मुताबिक, सामूहिक धर्मांतरण की सूरत में कम-से-कम पाँच साल की सज़ा होगी, जोकि बढ़ाकर 10 साल तक की जा सकती है तथा कम-से-कम चार लाख रुपए का जुर्माना किया जाएगा। वहीं जबरन धर्मांतरण साबित होने पर अधिकतम दस साल कैद व न्यूनतम पाँच लाख रुपए का जुर्माना होगा।

पूर्व मुख्य सचिव विजय वर्धन बने हरियाणा के मुख्य सूचना आयुक्त

चर्चा में क्यों?

- 25 मार्च, 2022 को हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव व सेवानिवृत्त आईएएस विजय वर्धन राज्य के नए मुख्य सूचना आयुक्त बन गए। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने चंडीगढ़ स्थित हरियाणा निवास में उन्हें पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई।

प्रमुख बिंदु

- इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सेवानिवृत्त आईएएस सत्यवीर सिंह फुलिया को राज्य सूचना आयुक्त के रूप में पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई। दोनों सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारियों ने हिन्दी में शपथ ली।
- राज्यपाल ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 की उपधारा 3 के अधीन गठित सर्च और वैधानिक समिति की सिफारिश पर ये नियुक्तियाँ की हैं।
- गौरतलब है कि राज्य सरकार ने मुख्य सूचना आयुक्त व राज्य सूचना आयुक्त के खाली पदों को भरने के लिये इसी माह इस समिति का गठन किया था। समिति ने दोनों पदों के लिये आए आवेदनों की छँटनी के बाद वर्धन व फुलिया के नाम पर मुहर लगाई थी।
- मुख्य सूचना आयुक्त का पद सेवानिवृत्त डीजीपी यशपाल सिंघल का कार्यकाल 23 मार्च को पूरा होने पर खाली हुआ था। 27 अप्रैल, 2017 को इस पद पर उनकी नियुक्ति हुई थी।

गुरुग्राम के नेहरू स्टेडियम में हॉकी का नया एस्ट्रोटर्फ

चर्चा में क्यों?

- 24 मार्च, 2022 को हरियाणा के खेल एवं युवा मामले के राज्य मंत्री सरदार संदीप सिंह ने कहा कि गुरुग्राम के नेहरू स्टेडियम में हॉकी का नया एस्ट्रोटर्फ लगाया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- गुरुग्राम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ के लिये प्रदेश सरकार ने 9.40 करोड़ रुपए अनुमानित लागत तय की है। वित्त वर्ष 2022-23 में इस कार्य को शुरू किया जाएगा।
- गुरुग्राम में हॉकी एस्ट्रोटर्फ के अलावा ज़िला मेवात में पंचायतों या संस्थाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई ज़मीन पर मल्टी गेम्स के लिये आधुनिक सुविधाओं से युक्त नए मैदान तैयार किये जाएंगे, ताकि इन पर खिलाड़ी प्रैक्टिस कर सकें।

नोट :

- सरदार संदीप सिंह ने बताया कि होडल तथा पलवल में भी ज़मीन की उपलब्धता होने पर सरकार नए मल्टी गेम्स ट्रैक बनाने पर विचार कर रही है। जींद ज़िले के सफीदों में महाराजा जन्मेजय स्टेडियम के रखरखाव के लिये भी प्लान तैयार किया जा रहा है।
- खेल मंत्री ने बताया कि जिस क्षेत्र में जिस खेल के प्रति युवाओं की रुचि होगी, वहाँ उसी तरह की सुविधाएँ सरकार उपलब्ध कराएगी।
- गौरतलब है कि देश में हरियाणा पहला ऐसा राज्य है, जिसका खेल बजट सबसे अधिक है।

उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले पटवारी होंगे सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

- 27 मार्च, 2022 को हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा कोविड-19 व राजस्व से संबंधित अन्य कार्यों में ज़िला प्रशासन के साथ मिलकर उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन करने वाले पटवारियों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- पटवारियों का हौसला बढ़ाने के लिये सरकार ने उन्हें सम्मानित करने का निर्णय लिया है। यह सम्मान समारोह 29 मार्च को जींद में आयोजित किया जाएगा।
- सराहनीय व अच्छा कार्य करने वाले टॉप-50 पटवारियों को एक-एक मोटरसाइकिल व प्रशंसा-पत्र देकर पुरस्कृत किया जाएगा। कुछ अन्य पटवारियों को उत्कृष्टता प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।
- डिप्टी सीएम ने बताया कि पिछले दो साल में कोविड महामारी के दौरान कई पटवारियों ने अपनी ज़िम्मेदारी को बेहतर ढंग से निभाया है। प्राकृतिक आपदा ओले, बेमौसमी बारिश, जलभराव आदि से संबंधित सौंपी गई गिरदावरी को भी समयबद्ध ढंग से करके कार्यप्रणाली को सुचारु बनाए रखने में उत्कृष्ट योगदान दिया है।
- उल्लेखनीय है कि इससे पहले हरियाणा सरकार ने प्रदेश भर से पंचायती राज संस्थाओं में विभिन्न पदों पर रहते हुए सराहनीय कार्य करने वाली 100 महिला अचीवर्स को एक-एक स्कूटी भेंटकर सम्मानित किया था।

23वीं राष्ट्रीय सब-जूनियर फेंसिंग प्रतियोगिता : बालक वर्ग ओवरआल का खिताब हरियाणा को

चर्चा में क्यों ?

- 26 से 28 मार्च, 2022 तक छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित जैनम मानस भवन में आयोजित 23वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय फेंसिंग प्रतियोगिता में बालक वर्ग में हरियाणा ने ओवरआल का खिताब जीता।

प्रमुख बिंदु

- इस प्रतियोगिता के बालिका वर्ग का ओवरआल का खिताब कर्नाटक ने जीता।
- प्रतियोगिता के समापन समारोह में छत्तीसगढ़ अल्पसंख्यक आयोग के चेयरमैन महेंद्र सिंह छाबड़ा ने विजेताओं को पुरस्कार एवं मेडल वितरित किये।
- प्रतियोगिता के फाइनल इवेंट के बालिका वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमश: मणिपुर और महाराष्ट्र बने, जबकि तीसरे स्थान पर तमिलनाडु एवं हरियाणा रहे। इसी प्रकार बालक वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमश: हरियाणा और मणिपुर बने, जबकि तीसरे स्थान पर पंजाब एवं महाराष्ट्र रहे।
- प्रतियोगिता के सेबर इवेंट के बालक वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमश: तमिलनाडु और दिल्ली बने, जबकि तीसरे स्थान पर पंजाब एवं हरियाणा रहे। इसी प्रकार बालिका वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमश: दिल्ली और हरियाणा बने, जबकि तीसरे स्थान पर पंजाब एवं मणिपुर रहे।

नोट :

- सब-जूनियर फेंसिंग प्रतियोगिता के एपी इवेंट के बालिका वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमशः कर्नाटक और महाराष्ट्र बने, जबकि तीसरे स्थान पर तमिलनाडु एवं हरियाणा रहे। इसी प्रकार बालक वर्ग में विजेता एवं उपविजेता क्रमशः हरियाणा और मणिपुर बने, जबकि महाराष्ट्र एवं जम्मू-कश्मीर को तीसरा स्थान मिला।
- बालक वर्ग में ओवरऑल हरियाणा प्रथम स्थान, मणिपुर द्वितीय, तमिलनाडु तृतीय, पंजाब चतुर्थ और दिल्ली पाँचवें स्थान पर रही। इसी तरह बालिका वर्ग में ओवरआल कर्नाटक प्रथम, मणिपुर द्वितीय, हरियाणा तृतीय, महाराष्ट्र चतुर्थ और तमिलनाडु पाँचवें स्थान पर रहा।

हरियाणा में नियम-134ए खत्म : अब आरटीई के तहत पढ़ेंगे गरीब बच्चे

चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में हरियाणा सरकार ने हरियाणा स्कूल शिक्षा नियम, 2003 के नियम 134-ए को हटाकर आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (EWS) के बच्चों को निजी स्कूलों में मुफ्त शिक्षा की सुविधा वापस लेने संबंधी अधिसूचना जारी की है।

प्रमुख बिंदु

- नियम 134-ए के तहत आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के मेधावी छात्रों को प्राइवेट स्कूलों में 10 फीसदी सीटों पर प्रवेश मिलता था और वे 12वीं तक की पढ़ाई पूरी कर सकते थे।
- नियम-134ए के खत्म हो जाने के बाद अब गरीब परिवार के बच्चों को निजी स्कूलों में 10 फीसदी सीटों पर मुफ्त दाखिला नहीं मिलेगा। सरकार शिक्षा का अधिकार नियम (आरटीई) के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमज़ोर बच्चों को निजी स्कूलों में 25 फीसदी दाखिला दिलाएगी।
- नियम-134ए को खत्म करने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियम, 2003 में संशोधन किया है। संशोधित नियमों को अब हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियम, 2022 कहा जाएगा।
- राज्य में शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009, (RTE Act) की धारा 12(1)(सी) लागू है। इसके तहत निजी स्कूलों में ईडब्ल्यूएस छात्रों के लिये 25% सीटों का आरक्षण अनिवार्य है।
- नियम 134-ए हरियाणा स्कूल शिक्षा नियमों के तहत एक प्रावधान था, जो आरटीई से पहले मौजूद था। नया अधिनियम ईडब्ल्यूएस को 25 प्रतिशत लाभ प्रदान करता है, जबकि नियम 134-ए केवल 10 प्रतिशत का लाभ प्रदान करता है।

नोट :